दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 14ण्04ण्2021

भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 130वीं जयंती का आयोजन

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा आज दि.14ध्04ध्2021 को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर वर्चुअल मोड में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालयए लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राजशरण शाही ने कहा कि भारतीय संविधान के जनक डॉ भीमराव अंबेडकर का महान व्यक्तित्व लोगों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है स 14 अप्रैल 1891 को उनका जन्म हुआ था और 6 दिसंबर 1956 को उनका निधन हुआ स बाबासाहेब संविधान निर्माताए महान विद्वान समाज सुधारकए अर्थशास्त्री एवं राजनीतिज्ञ भी थे स वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री भी रहे और उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है बाबा साहब अंबेडकर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट हासिल की स अपने शुरुआती करियर में वह एक अर्थशास्त्री प्रोफेसर और वकील थे बाद में वे राजनीतिक गतिविधियों में शामिल हुए स भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और वार्ता में भी शामिल हुए स उन्होंने राजनीतिक अधिकारों और दलितों एवं महिलाओं के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की स साल 1990 में उन्हें भारत रत्न यानी भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मरणोंपरांत सम्मानित किया गया स उनके जन्मदिवस को अंबेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जा रहा है स भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर शत.शत नमन स समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए किया गया उनका संघर्ष हर पीढ़ी के लिए एक मिसाल बना रहेगा स

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को हमें आत्मसात करना चाहिए स वर्तमान परिवेश में भी उनके विचार एवं कर्तव्य निष्ठा प्रासंगिक है स

आज के कार्यक्रम को वर्चुअल मोड में आयोजित कराने हेतु जो सार्थक प्रयास राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किया गया है उनके लिए विशेष रूप से वरिष्ठ कार्यक्रम

अधिकारी डॉ रुक्मिणी चौधरी को साधुवाद देता हूँ स इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों कर्मचारियों एवं स्वयंसेवको ६ सेविकाओं को धन्यवाद ज्ञापन डॉ चंडी प्रसाद पांडे ने किया स इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारियों सहित लगभग 100 लोग जुड़कर लाभान्वित हुए